

### **What is Arya Samaj?**

Arya Samaj founded by Maharishi Dayanand Saraswati is an institution based on the teachings of Vedas for the welfare of universe.  
It propagates the universal doctrines of humanity.  
It is neither a religion nor a sect.

# **ARYAN VOICE**

YEAR 41

09/2019-20

MONTHLY

September 2019

## **Diwali**

# **Saturday 26<sup>th</sup> October 2019**

## **Arya Samaj Bhavan - 6pm**

This is a free event, but for catering purposes, please book your place by calling – 0121 359 7727 or  
E-mail - enquiries@arya-samaj.org

**Car Parking on Sunday Congregation – Car owners can safely park their cars on Rookery Road where there is SINGLE YELLOW LINE.**

**321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.**

**Tel - 0121 359 7727**

**Website - [www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org)**

**E-mail – [enquiries@arya-samaj.org](mailto:enquiries@arya-samaj.org)**

**Charity registration number 1156785**

**facebook <https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/>**

## **CONTENTS**

<b>10 Principles of Arya Samaj</b>	<b>3</b>
<b>May our enemies praise our Virtues - By Mr Krishan Chopra</b>	<b>4</b>
<b>वेदों में विज्ञान-३ - आचार्य डॉ. उमेश यादव</b>	<b>6</b>
<b>Role of Arya Samaj in Freedom Struggle of India by Dr. Narendra Kumar</b>	<b>10</b>
<b>Independence Day of India Celebrations – 18.08.2019 by Mrs. B.B. Duggal</b>	<b>14</b>
<b>Children's Corner - The Blue Jackal</b>	<b>18</b>
<b>Matrimonial Service information</b>	<b>20</b>
<b>News (पारिवारिक समाचार)</b>	<b>21</b>
<b>New Building Refurbishment Fund</b>	<b>24</b>
<b>Appeal for donation</b>	<b>25</b>
<b>Fee for services provided by Arya Samaj West Midlands</b>	<b>27</b>

**For General and Matrimonial Enquiries  
Please Ring  
Miss Raji (Rajashree) Chauhan (Office Manager)  
Monday to Friday between: - 2.30pm to 6.30pm,  
Wednesday: - 11.00am to 1.00pm.  
Bank Holidays – Closed - Tel. 0121 359 7727  
E-mail- enquiries@arya-samaj.org**

## **10 Principles of Arya Samaj**

- 1. God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means.(At the beginning of creation, nearly 2 Billion years ago, God gave the knowledge of 4 Vedas to four learned Rishis named Agni, Vayu, Aditya and Angira. Four Vedas called Rig Ved, Yajur Ved, Sam Ved and Atharva Ved contain all true knowledge, spiritual and scientific, known to the world.)**
- 2. God is existent, intelligent and blissful. He is formless, omnipotent, just, merciful, unborn, infinite, invariable (unchangeable), having no beginning, matchless (unparalleled), the support of all, the master of all, omnipresent, omniscient, ever young (imperishable), immortal, fearless, eternal, holy and creator of universe. To him alone worship is due.**
- 3. Vedas are the scripture of all true knowledge. It is paramount duty of all Aryan to read them, teach and recite them to others.**
- 4. All human beings should always be ready to accept the truth and give up untruth.**
- 5. All our actions should be according to the principles of Dharma i.e. after differentiating right from wrong.**
- 6. The primary aim of Arya Samaj is to do good to the human beings of whole world i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**
- 7. All human beings ought to be treated with love, justice and according to their merits as dictated by Dharma.**
- 8. We should all promote knowledge (Vidya) and dispel ignorance (Avidya).**
- 9. One should not be content with one's own welfare alone but should look for one's welfare in the welfare of all others.**
- 10. In matters which affect the well being of all people an individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority. In matters that affect him/her alone he/she is free to exercise his/her human rights.**



**May our enemies praise our Virtues.**

**By Mr Krishan Chopra**

उत नः सुभगां अरिर्वोचेयुर्दस्म कृष्टयः । स्यामेदिन्द्रस्य शर्मणि ॥ ऋग्वेद्. १.४.६

Uta nah subhagaam arivorcheyurdasma krishtyahI  
syaamendarasyasharmani II

Rig VEDA 1.4.6

**Meaning in Text Order**

Uta = and

Nah = us

Subhagaam = having being blessed

Arih = adversaries

Vochayuh = say

Dasma = destroyer of evils

Krishtayah = diligent

Syaam = become

It = definitely

Indrasya = illustrious Lord

Sharmani = prosperous.

## Meaning

O Lord, the destroyer of evils, may our life be pious and free from blemishes so that even our enemies praise our qualities. May we always be fortunate to have your eternal bliss.

## Contemplation

In the world there is always a battle taking place between righteous and evil people. The same way, in every individual's mind the battle of righteous and evil thoughts is constantly taking place. The opening verse of Bhagvad Gita sums up the theme of the entire battle of Mahabharata when it says: **dharmakshetre kurukhetre** i.e. in the battle field of righteousness and evilness the victory of the righteous is assured.

The theme of the mantra instructs that we should become an example to others so that our enemies praise our virtues. But enemies generally do not praise; they only praise when they realise in true sense the virtues of the other person. To reach this standard is a great task in itself. It is also important that enemies should have a generous heart. They will only give praise when they are impressed by the qualities of others.

The second part of the mantra inspires us to be diligent. The quality of diligence plays a vital role in our life, it does not matter what field we are in? When in the field of action we lose or win, whether defeat embraces us or victory, the habit of diligence plays a vital role in our lives. The spirit of diligence keeps the mind of a person engaged and in good spirit.

Further the mantra indicates for us to destroy our internal enemies. Our internal enemies are always more powerful than outside enemies. Therefore we need the help of God to conquer them.

## वेदों में विज्ञान-३

आचार्य डॉ. उमेश यादव

पूर्व अंक में विचार किया गया कि अग्निहोत्र/देवयज्ञ से पर्यावरण में आये प्रदूषण को दूर करने में बड़ी भारी मदद मिलती है। इस विधा से विशेषतः इन् ५ दिशाओं में लाभ होता है।

१. पर्यावरण की सुरक्षा २. वायुमंडल की पवित्रता ३. विविध रोगों का नाश ४. शारीरिक और मानसिक उन्नति होकर मानसिक बिमारियों से निजात पाना और ५. अन्य रोगों के निवारण में कारण।

इससे निश्चित ही दीर्घायुष्य व स्वस्थायुष्य की प्राप्ति होती है। साथ ही हम यह भी पूरजोर समझते हैं कि भूमि-प्रदूषण, जल-प्रदूषण, वायु-प्रदूषण और ध्वनि-प्रदूषण को कम करने में अग्निहोत्र अत्यन्त सहायक है। ऑक्सीजन (O<sub>2</sub>) और कार्बन डाई-आक्साइड (CO<sub>2</sub>) को संतुलित बनाये रखने में यज्ञ अग्निहोत्र सर्वोत्तम उपयोगी है। इससे प्राकृतिक चक्र जैसे ऋतु चक्र, वर्षचक्र, अहोरात्र चक्र, सौर चक्र, चान्द्र चक्र आदि सब अपनी व्यवस्था के अनुसार अपने समय पर प्रवर्तित अर्थात् चलते रहते हैं। एक वेदमंत्र में तो इस चक्र धारा को भी एक प्राकृतिक यज्ञ की संज्ञा दी गयी।

“यत् पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत । वसन्तोऽस्यासीदाज्यं ग्रीष्म इध्मः शरद् हविः ॥ ऋग्-१०.९०.६, यजु- ३१.४-

इस् मंत्र में यही बताया गया कि प्राकृतिक रूप से वर्षचक्र रुपी यज्ञ में मानो वसन्त ऋतु घी है, ग्रीष्म ऋतु समिधा और शरद ऋतु हव्य। सामान्य यज्ञ अग्निहोत्र में भी तो हम घी, समिधा तथा हव्य=हलवा आदि हव्य पदार्थ ही डालते हैं जिससे

वातावरण का सामान्य हिस्सा प्रभावित होता है। प्राकृतिक रूप से ईश्वरीय व्यवस्था में यह ऋतु चक्र स्वयं ही वर्ष में पूरा होता रहता है और पूर्ण प्रकृति को प्रभावित करता है। संसार में मनुष्यादि अन्य प्राणियों के रहने से पर्यावरण या वातावरण में प्रदूषण भी बढ़ता रहता है जिसके निवारण के लिये हम मनुष्यों को अग्निहोत्र करने का विधान बताया गया। हम सब मनुष्य कम से कम उतना अग्निहोत्र अवश्य करें जितना हम अपने निजी शरीर से मल-मूत्र, पसीना, थूक आदि प्रक्रियाओं द्वारा प्रदूषण फैलाते हैं। तभी महर्षि दयानन्द संस्थापक आर्य समाज ने शास्त्रों के आधार पर बताया कि हर मनुष्य को कम से कम अग्निहोत्र में १६ आहुतियाँ अवश्य डालनी चाहिये।

थोड़ा विचार करें- घी, समिधा और हव्य ये तीन ही को हम हवन में डालते हैं जिससे जो सुगन्धि निकलती है वह अनेक शुद्धिकारक गैसों से युक्त होती है। कई प्रकार के ऐसे गैस निकलते हैं जो वातावरण के रोग कारक किटाणुओं को मारने में सहायक है। वसन्त, शरद, ग्रीष्म, वर्षा व फिर वसन्त यही तो वर्ष चक्र है।

वेदों व वैदिक साहित्यों में ऋतुओं के अनुसार हवन सामग्री बनाने की विधि बतायी गयी है। सामग्री में मिली सब औषधियाँ प्रदूषण को दूर करने में तथा स्वस्थ वातावरण बनाने में उपयोगी है। पर ये औषधियाँ अग्नि में जलकर गैस रूप परिवर्तित होकर वातावरण के रोग कारक वायरस, बैक्टेरियाज अर्थात् जीवाणुओं को मार कर पर्यावरण को स्वच्छ बनाती है।

अयं यज्ञो भुवनस्य नाभिः-यजु-२३.६२- यह यज्ञ सम्पूर्ण विश्व का केन्द्र (न्युक्लियस) है।

जैसा कि उल्लेख किया गया कि सूर्य, चन्द्र व अन्य सब ग्रह-उपग्रह प्राकृतिक यज्ञ का हिस्सा हैं। सब ऋतुओं से मिलकर अपना यज्ञ-रूप पूरा करते हैं तभी वेद

में वसन्त को घी, ग्रीष्म को समिधा व शरद को हवि कहा। जैसे ये ऋतुयें अपनी तासीर से सम्पूर्ण वातावरण को संतुलित रखती हैं वैसे ही सामान्य अग्निहोत्र से उठती लपटें, ताप, सुगन्धि व इससे उत्पन्न कई महत्त्वपूर्ण गैसों जलवायु को संतुलित करने में मददगार हैं। यज्ञ से वर्षा होती है। “यज्ञात् भवति पर्जन्यः भगवत् गीता में वर्णित है जो सार्थक है। यज्ञ से मेघ और मेघ से वर्षा। समिधा पर घी डलने से गरमी/ताप बढ़ जाती है। उससे वाष्प बनता है, फिर वही वाष्प मेघ बनाने में मदद करता है और फिर मेघ ताप से पिघलकर वर्षा के रूप में पृथिवी पर वरसने लगता है।

इसी तरह वसन्त ऋतु, ग्रीष्म ऋतु व शरद ऋतु सब मिलकर समुद्र के जल कण को वाष्पीकृत करके आकाश पहुँचाते हैं और फिर सूर्य के ताप से उसे पुनः पिघलाकर वर्षारूप में धरती पर लाते हैं। सूर्य चन्द्र आदि की गति से पूरे वातावरण में अलग-अलग स्थानों में अलग-अलग तापमान होता है। अतः जल कहीं गैस रूप तो कहीं ठोस बर्फरूप बनता है और यहीं फिर कहीं जल रूप बन जाता है। ऋग्वेद १.१६४.५१ में कहा गया- भूमिं पर्जन्या जिन्वन्ति, दिवं जिन्वन्त्यग्नयः ॥ अर्थात् अग्निहोत्र से सूर्यलोक व पृथिवी लोक तृप्त हो जाते हैं। सूर्यलोक में अग्नि तत्त्व का बाहुल्य व पृथिवी लोक में वर्षा जल तत्त्व का बाहुल्य होता है। यज्ञ की अग्नि ऊपर जाती है जो सूर्यलोक की ओर जाती है और जल समुद्र की ओर अर्थात् पृथिवी लोक में उतरता है। यही यज्ञात्मक अग्निहोत्र का विज्ञान है। इसे ही “अग्निषोमात्मकं जगत्” कहा जाता है। जगत अग्नि और सोम/जल का समन्वय है।

यजुर्वेद १८.९ में बोला गया-“ कृषिश्च मे वृष्टिश्च मे.... यज्ञेन कल्पताम्” इस मंत्र का पूरा अर्थ समझने से हमें ज्ञान होता है कि यज्ञ से सर्वलोक शुद्ध होते हैं। सुखों की वृद्धि होती है। जहाँ प्रदूषण दूर होते हैं वहीं शारीरिक, मानसिक व आत्मिक उन्नति भी होती है क्योंकि मंत्रों में नैतिक मूल्यों को सुधारने की प्रेरणा भी भरपूर



मात्रा में उपलब्ध है। यजुर्वेद के १८वाँ अध्याय के १-२९ मंत्रों में साकारात्मक ऊर्जा, दीर्घायुष्य, वृक्ष- वनस्पति-विज्ञान, औषधि व आयुर्वेद, अन्नसमृद्धि, बौद्धिक व आत्मिक विकास, शारीरिक पुष्टि, नीरोगता, प्रदूषण-नाशन आदि का वर्णन विस्तार से पाया जाता है।

छान्दोग्योपनिषद् ४.१६.१ में स्पष्ट बताया कि अग्निहोत्र से पर्यावरण के समस्त प्रदूषण दूर होते हैं जिससे सब प्राणियों के लिये सुखों की वृद्धि है। “एष ह वै यज्ञो योऽयं पवते। इदं सर्वं पुनाति, तस्मादेष एव यज्ञः।”

इसी तरह ब्राह्मण ग्रन्थों में भी मुक्तकंठों से अग्निहोत्र व अन्य सभी प्रकार के व्यावाहारिक यज्ञ-सूत्रों का वर्णन है।

- यज्ञो वै भुवनस्य नाभिः- तैत्तिरीय ब्राह्मण-३.९.५.५
- यज्ञो हि सर्वाणि भूतानि भुनक्ति- शतपथ ब्रा. ९.४.१.११
- भुज्युः सुपर्णो यज्ञः- यजु. १८.४२.
- यज्ञो वा अवति- तांड्य ब्रा. ६.४.५
- भैषज्ययज्ञा वा एते, ऋतुसंधिषु प्रयुज्यन्ते, ऋतुसंधिषु वै व्याधिर्जायते।- गोपथ ब्राह्मण उप. १.१९
- अयं वै यज्ञो योऽयं पवते - ऐतरेय ब्राह्मण- ५.३३

इनका विस्तार आगे के अंकों में सम्भावित है। अग्निहोत्र में प्रयुक्त होने वाले पदार्थों का विज्ञान हम समझेंगे। घी, सामग्री, समिधा, हवि आदि के प्रकार व गुणों को विस्तार से समझने का प्रयत्न करेंगे। अस्तु।

# **ROLE OF ARYA SAMAJ** **IN** **FREEDOM STRUGGLE OF INDIA**

Mrs. Annie Besant, born in London UK, President of Indian Home Rule Movement in year 1916 - 17 and co founder of Benaras Hindu University along with Pandit Madan Mohan Malviya year 1916, said

**“The Founder of Arya Samaj Maharishi Dayanand Saraswati was the first person who proclaimed that India was for Indians.”**

Mrs. Annie Besant was a British Sociologist, Educationist and women's rights activist. She was President of Indian National Congress in year 1917.

Pattabhi Sitaramaiya, President of Indian National Congress in year 1948-49, wrote in his autobiography that people who fought for independence of India, about 80%, belonged to Arya Samaj movement.

One of the great reformer of nineteenth century in India Raja Ram Mohan Rai said that “British rule is good for India and British Rule is like a blessing of a Goddess for Indians.”

In comparison to the above statement I would like to remind the readers an interesting conversation which took place in Calcutta in year 1873 between Viceroy of India Lord North brook, year 1872-76, and Maharishi Dayanand Saraswati. Lord North brook requested Maharishi Dayanand Saraswati to praise the British Rule and Queen Victoria in his sermons. Maharishi replied “ Sir I pray to Almighty God every day to finish the British Rule from India as soon as possible so that the process of Self Rule (Swarajya), Good governance (Surajya), total independence (Swadheenta) and own language (Swabhasha) can start straight way. Viceroy did not expect this kind of answer from Maharishi. He walked away and

instructed his officers to keep an eye on Maharishi.

Maharishi Dayanand Saraswati was the first Indian to talk and write about words like Swarajya (Self rule), Swadheenta (Freedom and Independence), Surajya (Good governance), Own language (Swabhasha) and Swadeshi (Indigenous). In his famous book "Satyarth Prakash" Maharishi Dayanand Saraswati in year 1874 wrote "A foreign ruler may do all very good things but a self rule by a native ruler is the best thing."

In year 1929 Lahore Conference of Indian National Congress it proclaimed that its main aim was to gain complete Independence of India from British Rule. This proclamation from the leaders of Indian National Congress came about 55 years after Maharishi Dayanand Saraswati's proclamation.

Now I would like to tell about some of the followers of Maharishi Dayanand Saraswati.

### **Shri Shyamji Krishna Verma**

Shyamji Krishna Verma was a Barrister by profession. He was very much influenced by the teachings, strong feeling of Nationalism and thinkings of Maharishi Dayanand Saraswati. Maharishi Dayanand Saraswati encouraged him to go to UK and see the Parliament of Great Britain and the way of working of politicians. He came to UK in year 1900. He bought a 30 bedroom big house at 65, Cromwell Avenue, Highgate, North London. He paid £1000 for this house. This "India House" provided accommodation to Indian students who came to UK to study. India House also became a very popular place for famous politicians of the world to meet and exchange their views. Some of them were Bal Gangadhar Tilak, Lala Lajpat Rai, Gopal Krishna Gokhle, Mahatma Gandhi and Lenin. On 18th February 1905 he opened a new organisation called Indian Home Rule Society.

Shyam ji hoped that India House would provide Indian revolutionaries and it did. Mrs. Bhikaji Cama, Veer Savarkar, Lala

Hardayal, Madan Lal Dhingra, Bhagat Singh were all associated with it.

### **Swami Shraddhanand Saraswati**

Swami Shraddhanand Saraswati was a staunch follower of Maharishi Dayanand Saraswati. On 4th March 1902 He founded Gurukul Kangri Haridwar. Swami Shraddhanand decorated Karamchand Gandhi with title of Mahatama when he visited Haridwar to meet Swami Shraddhanand Saraswati. It was the courage and determination of Swami Shraddhanand Saraswati which made the National Conference of Indian National Congress in Amritsar in year 1919 possible after Jallianwala Bagh Massacre on 13th April 1919.

### **Lala Lajpat Rai “Punjab Kesri”**

He studied Law and practised as a solicitor for few years. But then he was greatly influenced by the teachings of Maharishi Dayanand Saraswati. He gave up his Law practice and jumped in to freedom struggle Indian Independence from British rule. He joined Mahatama Hansraj in establishing Dayanand Anglo-Vedic School on 1st June 1886 in Lahore, India. He was an Editor of Arya Gazette.

He was leading a procession of protestors against the visit of Simon Commission in Lahore City. Police carried out Lathi Charge and aimed at Lala ji. In spite of severe injuries he addressed the protestors and said that Lathi Charge on him would be a final nail in the coffin of British Rule. He died on 17th November 1928 due these injuries.

### **Sardar Bhagat Singh**

Sardar Bhagat Singh was born on 28th September 1907 in Banga, Punjab in a Arya Samaji family. He received his early education in DAV School in Lahore, India. Chandra Shekhar Azad and he could not tolerate the killing of Lala Lajpat Rai. They took a vow to avenge his murder. He along with his associated killed John Saunders. On

23rd March 1931 Sardar Bhagat Singh aged 23 years along with his associates Rajguru aged 22 years and Sukhdev aged 23 years were hanged to death by British government officials.

### **Ram Prasad Bismil**

He was a patriotic poet. He was a follower of Maharishi Dayanand Saraswati. He studied “Satyarth Prakash” written by Maharishi Dayanand Saraswati and was greatly inspired. He was hanged on 19th December 1927 at age of 30 years in case of Kakori train robbery in order to raise funds for buying arms for his group of freedom fighters.

He sang “Safaroshi Ki Tamanna ab hamare dil me hai” song on his way to the gallows.

There is a very long list of Arya Samaji freedom fighters for independence of Motherland India ( Bharat). This list includes the name of my father Shri Mishri Lal Arya, President of Arya Samaj Tanda (U.P.).

I am totally convinced that the way Article 370 was removed from the Constitution of India on 5th August 2019 in order to correct the mistake of last 65 years a day will come in near future when Role of Arya Samaj in Independence Struggle of India will get its proper recognition in history.

That day is not far away when India as a country will recognise Maharishi Dayanand Saraswati as a Grandfather of Free Bharat (India).

### **Dr. Narendra Kumar Chairman**

**The above was the speech given by Dr. Narendra Kumar on occasion of Celebration of 73rd Independence Day of India.**

## **INDEPENDENCE DAY OF INDIA CELEBRATIONS –** **18<sup>TH</sup> AUGUST 2019**

The 73<sup>rd</sup> Independence Day of India was celebrated by Arya Samaj West Midlands on the 18<sup>th</sup> August 2019 and was attended by more than 150 people. The day's programme started with Sandhya Havan at 11:00 am. Mr. and Mrs. J.P. Sethi were Yajman at the Havan and also the sponsors of today's Rishi Langar.

Filming crew from Aastha Television Channel were recording this event from 11am onwards.

The hoisting of our National Flag was carried out on Stage and performed by our Guest of Honour Mr. S.M. Chakraborty (from CGI office, Birmingham) in the company of all the Trustees and Acharya Yadav Ji. The added joy, of the recent victory of Indian Government removing Article 370 and 35A from the constitution after 70 years, was noticeable in today's celebrations. After the hoisting of the flag, everyone sang the National Anthem led by our three singers for the day as well as Mrs. S.Kumar.

Acharya Yadav Ji then introduced Mr. Vijay Kumar as the Compere for the day's programme.

Our first performer was Mrs. Beauty Sinha a skilled Artist in singing and known to many who have heard her enchanting voice at various functions. Beauty sang two patriotic songs, both well selected for this special occasion.

Our second Artist Miss Kriti Singh, a classical dancer, performed 'Kathak' dance to 'Prashanti' by Ravi Shankar. Kriti, who is only seventeen, has been training in classical form of dance in Kathak with Sonia Sabri Company since the age of seven. The dance was absolutely mesmerizing and everyone enjoyed the performance and applauded relentlessly.

This was followed by Mrs. Renu Aggarwal singing 'Bande Matram'. Renu was accompanied by Mr. Ashish Aggarwal her nephew (a student of medical sciences) who displayed his talent at playing the 'Tabla'. Renu is a member of Arya Samaj who takes keen interest in ASWM and has performed for us on many occasions before.

Dr. Narendra Kumar (Chairman) congratulated audience on 73<sup>rd</sup> Anniversary of Independence Day of India and removal of Article 370 and 35A from the constitution of India to liberate Jammu and Kashmir from backwardness. People applauded quite loudly and showed their joy overwhelmingly. He reminded the audience about the role played by Arya Samaj movement in struggle for independence from British rule. He highlighted some of the facts from history giving credence to how Arya Samaj's leaders protested against foreign rule and awakened the rest of the public who was oblivious to what was happening in their country. About 80% of freedom fighters for independence of India from British Rule belonged to Arya Samaj movement. Maharishi Dayanand Saraswati was the first person who proclaimed that India as a country was for Indians. He also used the words like Swarajya (Self rule), Swadheenta (Independence), Surajya (Good governance), Swabhasha Hindi (Own language Hindi) and Swadeshi Samaan (Indigenous material).

Our Guest of Honour Mr. Chakraborty presented his speech on the progress India is continuing to make and how India has turned their economy from billions to trillion dollars in the last five years. Mr. Chakraborty also talked about contributions being made by Indians all over the world in every field and profession.

Our next performance was by Pallavi Pandey, an award winning Singer, well known for her performances. She sang a patriotic song to remind us about the sacrifices made by people who lost their lives in the struggle for independence.

Miss Jigeesha Joshi, a young and uprising star of Rajsthani classical dance, performed a lively/entertaining dance which was thoroughly enjoyed by all the audience. Jigeesha is the daughter of Mr. Dheeraj Joshi who is our Yoga Teacher.

This was followed by a short speech from Mrs. Prama Yadav Sharma who talked about women feeling empowered and supported in developing interests etc. even after marriage.

Acharya Yadav Ji's speech was on the topic of Vedic Rashtavaad. Acharya Ji also expressed his excitement at the removal of Article 370 and 35A from our constitution and added a poem written by him on this subject. He gave thanks to all the Volunteers who helped to organise today's event and called them to the front for a group photograph to be taken. Mr. Parimal Somani, Dr. Umesh Kathuria, Bimla Saund, Mr.J.P. Sethi, Mrs. B.B. Duggal, Mr. Vijay Kumar and Acharya Ji were in this group (Mr. Vipul Mistry and his daughter Tavina also helped on 16<sup>th</sup> August, but they could not be present today).

Vote of Thanks – Mrs. Brij Bala Duggal (Secretary) thanked all the Performers/Singers, Artists, Speakers, Volunteers and the Audience for participating in today's event. She gave special thanks to Mr. Joginder Pal Sethi and Mrs. Santosh Sethi for sponsoring today's event. Her message to people today was "Time is the most precious gift we can give and we, at ASWM, appreciate you giving your time for participation, volunteering and attendance".

The Programme ended with Shanti Path and people then made their way to our Maharishi Dayanand Saraswati Hall where delicious/hot food was being served.

**Written by Mrs. B.B. Duggal**  
**Secretary**  
**Board of Trustees**  
**Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands**





## **Children's Corner** **Panchatantra Tales**

### **THE BLUE JACKAL**

Once there was a jackal in a forest by the name of Chandaraka. One day, Chandaraka, driven by hunger, went to a nearby village in search of food. He was extremely hungry. Unfortunately, he met a group of dogs and they started chasing him. The jackal got frightened and fled in panic. He entered a washer man's house in a hurry. While trying to hide himself, the jackal slipped and fell into a tub full of blue colour, which the washer man had kept ready to dye the clothes.

Soon the bark of the dogs ceased and jackal came out of the tub. There was a big mirror fixed on the wall of the house. Jackal saw himself in the mirror and was surprised to see his blue coloured body. He came out of the house and quickly ran back to the forest. When Chandaraka reached the forest, every animal failed to recognize this new creature. In fact, they got frightened and ran in all directions.

Taking advantage of the situation, the jackal planned to keep the situation in his favour. He asked, "Why are you running like this?"

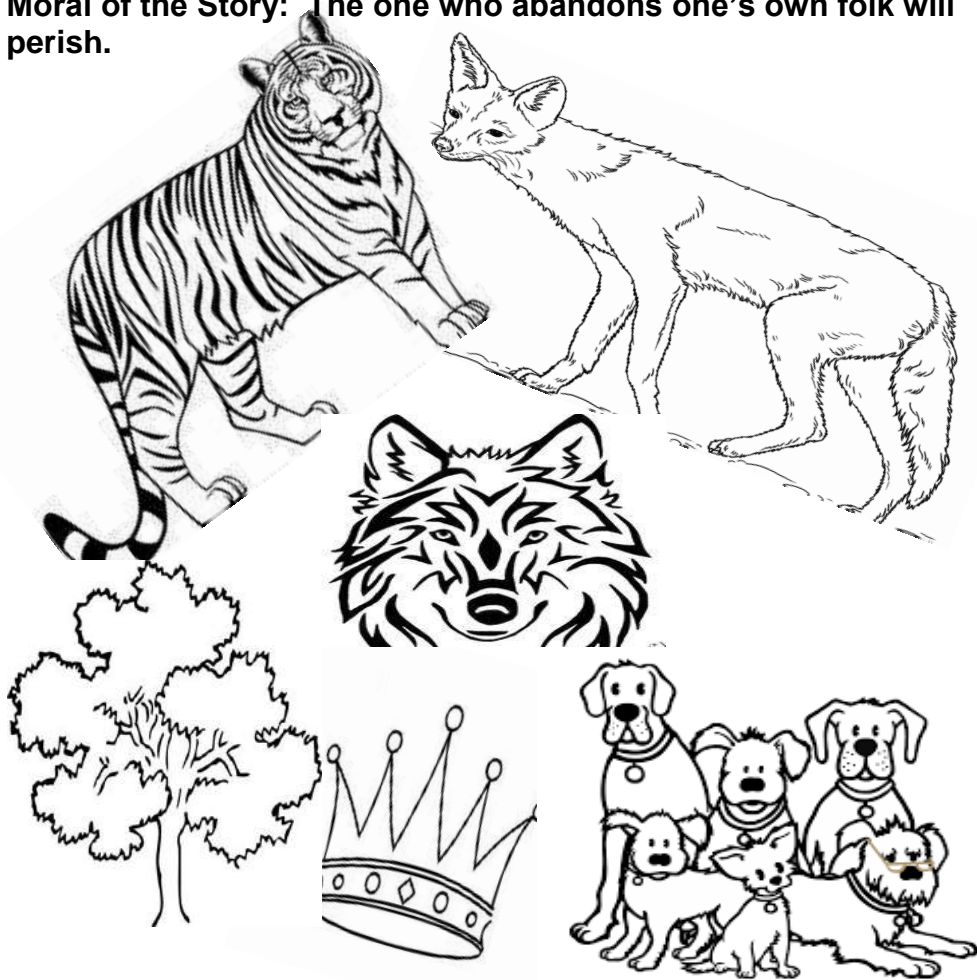
There is no need to panic. I am a unique creation of God. He told me that the animals in this jungle had no ruler and he had nominated me as your king. He had named me, Kakudruma and told me to rule this forest. Therefore, all of you can live safely under the cover of my protection."

The innocent animals believed the shrewd jackal and accepted him as the king. The jackal appointed the lion as his minister, the tiger as his chamberlain and the wolf as the gatekeeper. After allotting positions to the animals, the new king Kakudruma banished all the jackals in the forest for the fear of being recognised. Now, the animals hunted food and brought it to the self proclaimed king. After

taking his share the king would distribute the remaining food equally among his subjects. So like this, he was leading a luxurious life.

One day when the blue jackal was holding his court, a herd of jackals were passing by howling to their glory. Suddenly blue jackal forgot that he was a king and not an ordinary jackal anymore. Unable to control his natural instinct, Kakudruma howled at the top of his voice. Soon, the animals realized that they had been fooled by a jackal. In a fit of anger, all the animals, at once pounced on the blue jackal and killed him.

**Moral of the Story: The one who abandons one's own folk will perish.**



## **Matrimonial Service**

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands is dedicated to its matrimonial members to provide a service that will help members find a partner for marriage within our community. We feel it is time to make a few changes to help with this process and move forward with the times.

### **Changes we have made in 2018:**

#### **Website:-**

- A new data base on the website that will give members an option to add a **photo** if they wish and a space for members to write a **bio** about themselves and what they are looking for in a partner.
- Existing members would have received a letter with information about what we need from you to update your profile. Once you have received this letter please fill it out and send back to us soon as possible, so we can update our **NEW** data base and you can start using the new system.

#### **Matrimonial Service:-**

- Members will now be given the **option** to directly contact each other or have the **option** for parents to contact each other.
- All **new** members will be contacted by the office staff for phone conversation during the application process.
- We are also looking in to ways of making our Matrimonial events more successful.
- **Now on facebook -**  
<https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/>

# **News**

## **Please note**

**Car Parking for members on Sunday Congregation can safely park their cars on Rookery Road where there is SINGLE YELLOW LINE.**

## **Free Yoga Lesson**

**With Dr. Dheeraj Prakash Joshi Yogacharya  
Every Thursday - 7pm – 8.15pm  
ALL ARE WELCOME!**

## **Congratulations:**

- Mr. Panam Verma & Mrs. Jasbir Kaur - for naming ceremony of their new born son who was named as Naman. Wishing him happiness & Prosperity.
- Dr. Manoj and Mrs. Supriya Bulchandani - for Grih Pravesh havan and to bless their children Miss Nandini and Dev Raj for good education, health, prosperities and happiness in family .
- Mrs. Meena Puri – for birthday celebration of her dear daughter Dr. Puja Puri sister of Dr. Aman Puri Consulate General of India, Birmingham. Wishing her happiness and good health.
- Mr. Krishan Chopra and Dr. Raksha Chopra - for 10th birthday celebration of their lovely granddaughter Shyena daughter of Dr. Ashish Chopra. Wishing her happiness and good health.
- Dr Chetan Varma & Family – for his son Arjun's graduation for becoming a Dentist. Wishing him success.

## **Sponsors (Yajman):**

- Mr. Vinod Gulati & family - Donated for Rishi Langar for a Sunday Satsang. Wishing them all happiness and good health.
- Mr. Joginder Pal Sethi and Mrs. Santosh Sethi - for being Yajmans and sponsors on 18<sup>th</sup> August 2019 to celebrate 73<sup>rd</sup> Indian Independence Day and also removal of article.370 and 35-A from Jammu and Kashmir ( India). Wishing them happiness and good health.
- Dr Umesh Kathuria & family – for being Yajman on his Birthday and sponsors on 11<sup>th</sup> August 2019. Wishing him happiness and good health.

**Many congratulations to all the mentioned families who have had auspicious havan at their residences On different occasions Or Sunday Vedic Satsangs In Arya Samaj Bhavan.**

## **Donations:**

- |                                      |      |
|--------------------------------------|------|
| • Mr Prem Kumar with Rishi Langar    | £280 |
| • Dr Umesh Kathuria for Rishi Langar | £52  |
| • Dr Chetan Varma                    | £101 |
| • Mrs Nirmal Prinja                  | £21  |
| • Mr J.P.Sethi with Rishi Langar     | £501 |
| • Mr Ved Datta                       | £11  |

## **Donations to Arya Samaj West Midland through the Priest-Services:**

- |                         |      |
|-------------------------|------|
| • Dr. Manoj Bulchandani | £150 |
| • Dr. Puja Puri         | £60  |
| • Mr. Krishan Chopra    | £100 |

**Thank you for all your  
Donations!**

**Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on  
0121 359 7727  
for more information on**

- **Member or non member wishing to be a Yajman in the Sunday congregation to celebrate an occasion or to remember a departed dear one.**
- **Have Havan, sankars, naming, munden, weddings and Ved Path etc performed at home.**
- **Our premises will be licensed for the civil marriage ceremony.**
- **Please join in the Social group at Arya Samaj West Midlands every Wednesday from 11am. Emphasis is on keeping healthy and fit with yoga and Pranayam. Hot vegetarian Lunch is provided at 1pm.**
- **Ved Prachar by our learned Priest Dr Umesh Yadav on Radio XL 7 to 8 am, first Sunday of the month. Next 6th October & 3rd November 2019.**

**Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted please inform the office.**

**0121 359 7727**

**E-mail- [enquiries@arya-samaj.org](mailto:enquiries@arya-samaj.org)  
Website: [www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org)**

## **New Building Refurbishment Fund**

**In month of August following people have donated...**

<b><u>NAME</u></b>	<b><u>DONATION</u></b>
<b>NEW DONATIONS:-</b>	
<b>Dr Joginder &amp; Mrs Santosh Pall</b>	<b>£125</b>

**TOTAL SO FAR - £60,319.15**

**Thank you!**

### **Haven't Donated Yet ????**

**Those of you who would like to donate money to  
"Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands"  
New building fund please do so now!!!**

**Your help is highly appreciated.**

**By cheque - Payable to 'Arya Samaj West Midlands' and  
send back to us at 321 Rookery Road, Handsworth,  
Birmingham, B21 9PR**

**or**

**Bank Transfer – The Co-operative Bank  
Name of account – Arya Samaj (Vedic Mission) West  
Midlands**

**Account number – 65839135 Sort Code – 08.92.99**

**Work carried out in the month of August 2019.**

- **Double galzed window in offices and Swami Shradhdhanand Saraswati Hall.**
- **Basement – 2 x Sump Pumps**



**Appeal for donation to**  
**Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands**  
**By Standing Order**

Dear Members

Sadar Namaste

I hope you are keeping well and in good spirits.

I wrote to you on 15th January 2018 about purchase and refurbishment of our new head quarter of Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands at Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.

I am pleased to inform you that about £60,000 has been donated by generous members and friends of our Arya Samaj. About 90% of building works and refurbishments are complete now.

Now I would like to tell you about present financial facts of our Arya Samaj.

Every year we need about £35,000 funds in order to run our Arya Samaj on sound financial grounds.

According to our audited accounts, presented in AGM on 28th July 2019, we paid £22,584 in wages to our Minister of Religion (Acharya ji), a part time Manager and cleaners. £1816 was paid for Insurance cover, about £2100 for providing Rishi Langar on Sundays when there is no sponsor.

We pay annually £3000 on average for “Arya Voice”, our Monthly bulletin. On top of all this Gas and Electric bills have to be paid every month. One of our main sources of Income, Matrimonial services, was down to only £8370 for year 2018-19.

Recently I visited Hare Rama Hare Krishna temple in Watford. I

saw three big boards in a hall with about 300 names on these boards. At the top it said "PATRONS OF BHAKTIVEDANTA MANOR". These were the names of Annual donors. Their donations are used in maintenance of the building, big outside grounds and running various activities of the temple.

**For any institution to survive and flourish REGULAR DONATION is essential.**

I know that we are not as big a charity as Hare Rama Hare Krishna are. But we can run our Arya Samaj temple on the same thinking. We will definitely honour regular donors by putting their names on our big board in Swami Shraddhanand Hall.

All we need help from generous donors like you to donate on a regular basis in future.

Donations can be made by signing a Standing order to your Bank to pay £5, £10, £15 a month in to the

**The Co-operative Bank  
Name of account of - Arya Samaj (Vedic Mission) West  
Midlands Account number- 65839135,  
Sort Code- 08.92.99.**

You can donate cash or by cheque if it suits you.

The money donated by you will help our present and future generations.

So please donate generously. No matter how small every donation will be highly appreciated.

Kind regards.

Yours sincerely

Dr. Narendra Kumar  
Chairman

## **Fee for services provided by Arya Samaj West Midlands**

- Ordinary membership fee is £20 for 12 months.
- Renewal for ordinary members of ASWM will get reminder letter for their membership fee of £20 each year.
- Matrimonial Service - £90 for 12 months
- Hire of our hall –
  - Maharshi Dayanand Hall - £500 for 4 hours & £100 hourly.
  - Swami Shraddhanand Hall - £400 for 4 hours & £50 hourly.

## **Donations to Arya Samaj for Priest Service.**

- Marriage Ceremony performed by our priest - £400.
- Havan performed at home by our priest –
  - Birmingham and Surrounding Areas - £51
  - 12 Miles Outside of Birmingham - £101
- Cremation & Shanti Havan performed by our priest –
  - Birmingham and Surrounding Areas - £150
  - 12 Miles Outside of Birmingham - £200
  - Shanti Havan at Arya Samaj after cremation - £100